Hkkfrd 'kkL= ,o Ñf"k ekle foKku foHkkx
tokgjyky ug: Ñf"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
df"k ekle lykg lok,
(Project Sponsored by IMD, MoES, New Delhi)

सलाहकार समिति के सदस्यः डॉ. ओम गुप्ता, डी. ई. एस., मृदा एवं जल अभियॉत्रिकी विभाग – डॉ. एम. के. अवस्थी, सस्य विज्ञान डॉ. अनय रावत, डॉ. पी. बी. शर्मा फल विज्ञान –डॉ. एस. के. पांडे, सब्जी विज्ञान – डॉ. बी. आर. पांडे, कीट विज्ञान – डॉ. एस. बी. दास, पौध रोग विज्ञान –डॉ. आलोक वाशनिकर, कृषि मौसम विज्ञान – डॉ. मनीष भान, पशु विज्ञान – डॉ. एल. एस. सेखावत

o"k&2021	vad&28	fnukd 07 l 11 vily 2021	fnukd% 06-04-2021

¼ftyk tcyiqj dh fy, tokgjyky ug: Ñf"k fo'ofo|ky; tcyiqj ,o ekle dUnz Hkkiky }kjk l;Dr :i l tkjh½

vkxkeh ikp fnuk dk ekle iokueku%&

भारत सरकार के भारत मौसम विज्ञान विभाग भोपाल से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जबलपुर तथा इसके आस–पास के क्षेत्रों में आगामी 5 दिनों में आसमान हल्के बादल रहने एवं वर्षा नहीं होने की संभावना है। हवा 8.7 से 11.7 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से विभिन्न दिशाओं से चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 39.0 से 41.0 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 21.0 से 22.0 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का पूर्वानुमान है।

Ekkleh rRo @fnukd	07/04/2021	08/04/2021	09/04/2021	10/04/2021	11/04/2021
Ok"kk ¼fe-eh-½	0	0	0	0	0
vf/kdre rkieku ¼fM-l-½	41	41	40	39	39
U;ure rkieku ¼fM-l-½	21	22	22	22	21
vkif{kr vknzrk ¼lcg½	45	45	43	48	60
vkif{kr vknzrk ¼'kke½	17	17	18	19	19
gok dh xfr ¼fd-eh-@?k.Vk½	8.7	10.7	11.6	11.7	9
gok dh fn'kk	पश्चिम	उत्तर–पश्चिम	पश्चिम	पूर्व	पूर्व
Ckknyk dh fLFkfr	साफ	हल्के	हल्के	हल्के	हल्के

ekle vk/kkfjr lkIrkfgd df"k ijke'k fnukd 07 l 11 vily 2021

lkekU; lykg	• अगामी 11 अप्रैल को बालाघाट, सिवनी, मण्डला एवं डिंडोरी जिलों के कुछ क्षेत्रों में तेज हवाएॅ एवं आंधी तूफान की संभावना है ॱ। • तैयार फसलों की कटाई करें एवं शीघ्र गहाई कर अनाज को सुरक्षित स्थान पर रख दें। • आनेवाले पांच दिनों में पूर्वी मध्यप्रदेश में गर्म हबाएॅ चलेंगी। खेतों में लगी ग्रीष्म कालीन फसलों को सुबह एवं शाम को सिंचित करें। • गर्म हबा से वचाव हेतु micro – सिंचाइ पद्धति sprinkler या Drip सिंचाई वृक्षों एवं सब्जियों में करें।
eqx	• ग्रीष्मकालीन मॅूग की उन्नत किस्मों पी. डी. एम. 139 एवं शिखा बीज की कृषि विश्वविद्यालय एवं विश्वसनीय स्थान से बीज की व्यवस्था करे। • बीज की मात्रा 20 कि. गा. प्रति हेक्टेयर की दर से एवं कतार से कतार की दूरी 30 सेंमी. पर बुवाई करें। • उर्वरकों की मात्रा 20 कि. गा. नाइट्रोजन, 60 कि. गा. फासफोरस, 20 कि. गा. पोटस प्रति हेक्टेयर की दर से। • बढते हुए तापक्रम को देखते हुए sprinkler सिंचाई पद्धति से सुबह अथवा शाम को सिंचाई करें। खेतों में उचित जल प्रबंधन करें।
xgw	• परिपक्वतानुसार गेहूॅ की कटाई करें और सुखाकर भण्डारण करें।
Qynkj o`{k	• आम एवं अमरूद में मिली बग कीड़ों का प्रकोप, एवं आम एवं नीबू में लीफमाइनर कीड़े का प्रकोप हो तो रोगर एवं मेटासिस्टाक दवा का छिड़काव 1.5 मि. लि. प्रति लीटर पानी से करें। • आम, नीबू के वृक्ष फूलीय अवस्था में है । वृक्षों में थालों का निर्माण करें । एवं हर हप्ते सिंचाई करें। • फलदार वृक्षों एवं सब्जियों में वाष्पीकरण रोकने हेतु Mulching करें ।
lfCt;k	• सब्जियों के खेतों का निरीक्षण करें एवं कीट प्रकोप होने पर निकटतम कृषि विज्ञान केन्द्र से सलाह लें। • ग्रीष्मकालीन भिण्डी एवं बरवटी की बुवाई कर प्रारंभिक सिंचाई करें। • गर्मी की कददूवर्गीय सब्जियों की बुवाई कर प्रारंभिम सिंचाई करें। • टमाटर, वैगन , भिण्डी एवं अन्य सब्जियों मं हर हप्तें सिंचाई करे।
Ik'kq ,o eqxh ikyu	• ग्रीष्मकालीन हरे चारे के लिए मक्का, ज्वार एवं लोबिया की बुवाई करें । • पशुओं एवं मुर्गियों में गर्म हवाओं से वचाव हेतु शेड के नीचे रखें एवं ठण्डा पानी पिलाऍ । • पशुओं को शाम में समय हरा चारा दें। • पोल्टरी एवं पशु शेड के उपार पानी का छिड़काव करें। • पोल्ट्री में खस लगाऍ जिससे ठण्डी हवा मुर्गियों को मिल सकें।

टेक्नीकल आफीसर

दिनांकः 06 अप्रैल 2021